TEACHERS OF BIHAR — THE CHANGE MAKERS

चेतना

विद्यालय दैनिक पत्रिका

बुधवार
बिहार
28 अगस्त 2024
Wednesday
वर्ष : 3
प्रादेशिक संस्करण

शिक्षकों का, शिक्षकों के लिए और शिक्षकों द्वारा प्रकाशित

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा

संपादकीय
चेतना सत्र
संविधान
समय सारणी एवं पाठ टीका
पीएम पोषण योजना
चहक
...

मेजर ध्यानचन्द सिंह

नई दिल्ली) भारतीय हॉकी खिलाड़ी थे, जिनकी गिनती श्रेष्ठतम कालजयी खिलाड़ियों में होती है। मानना होगा कि हॉकी के खेल में ध्यान चन्द ने लोकप्रियता का जो कीर्त्तिमान स्थापित किया, उसके आसपास भी आज तक दुनिया का कोई खिलाड़ी नहीं पहुँच सका।

की जन्मदिवस पर हार्दिक शुभकामनाएं।

29 अगस्त, 1905 - 03 दिसंबर, 1979

अगस्त						
सो.	म.	बु.	गु.	शु.	श.	र.
			1	2	3	4
5	6	7	8	9	10	11
12	13	14	15	16	17	18
19	20	21	22	23	24	25
26	27	28	29	30	31	

15 स्वतंत्रता दिवस
25 चेहल्लुम
26 श्री कृष्ण जन्माष्टमी

प्रधान संपादक

श्री अनिल कुमार प्रभाकर

कला एवं प्रबंध संपादक

श्री संतोष कुमार ठाकुर

श्रीमती बबिता कुमारी

श्रीमती रिंकु कुमारी

श्रीमती अध्याशा

श्रीमती सिमरन कुमारी

मो० फरहान

श्री दीपक कुमार सिंह

सुश्री नेहा कुमारी

श्री मिथुन कुमार राय

प्रिय गुरुजन !

आज समाज और देश के सामने सबसे बड़ा प्रश्न है शिक्षा किस लिए दी जाए? विभिन्न मनोवैज्ञानिकों एवं शिक्षा विशारदों ने शिक्षा के विभिन्न उद्देश्य बतलाएँ हैं। किसी विद्वान का मत है कि "विद्या के लिए विद्या" है तो दूसरे विद्वान का मत है कि आजीविका या व्यवसाय के लिए तैयार करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। कुछ विद्वानों का मत है कि मनुष्य का शारीरिक, मानसिक, नैतिक तथा अन्य सभी पहलुओं से विकास करना ही शिक्षा का उद्देश्य है। कुछ लोग सच्चरित्र निर्माण को शिक्षा का उद्देश्य मानते हैं।

वैदिक ऋषियों के अनुसार शिक्षा का उद्देश्य है मानव का सर्वांगीण विकास अर्थात मानव जीवन का जो उद्देश्य है उस उद्देश्य तक पहुँचना ही शिक्षा का उद्देश्य होना चाहिए। मानव जीवन का उद्देश्य पुरुषार्थ-मोक्ष। इसके लिए हमें शारीरिक, मानसिक, आध्यात्मिक, सामाजिक, राजनीतिक और नैतिक सभी नियमों का ज्ञान होना चाहिए। घर में हम अपने माता-पिता के साथ कैसा व्यवहार करें, समाज में कैसा उत्तम नागरिक बनें, साथियों के साथ कैसे व्यवहार करें, आजीविका के लिए क्या करें, सामाजिक तथा राजनैतिक समस्याओं का क्या हल निकालें। संक्षेप में हर बात में हम पूर्ण हों किसी में अधूरी न रहें, यह वैदिक ऋषियों की शिक्षा का उद्देश्य है। यदि हम अपना सर्वांगीण विकास करते हुए पुरुषार्थ को प्राप्त कर सके, तो हमारी शिक्षा सफल शिक्षा है अन्यथा नहीं।

इसका निष्कर्ष यह है कि शिक्षा का प्रमुख उद्देश्य विद्यार्थी का सर्वांगीण विकास और सर्वांगीण विकास का अर्थ है - मानसिक, शारीरिक और रचनात्मक कौशल का विकास। चेतना विद्यालय दैनिक पत्रिका इन उद्देश्यों की पूर्ति के साधनों का एक प्रमुख अंग है। **"चेतना"** विद्यालय दैनिक पत्रिका जहाँ एक ओर बालमन की कोमल भावनाओं के फूटते अंकूर का पोषण करती है वहीं बालमन का पल-पल विकास होते देखकर परम संतोष का अनुभव होता है ठीक वैसे ही जैसे खिलते हुए फूलों को देखकर माली को होता है जो उन्हें सींचता है।

आपकी सर्वाग्रगण्य एवं लोकप्रिय विद्यालय दैनिक पत्रिका **"चेतना"** का आपके समक्ष प्रस्तुत करते हुए हमें हर्ष एवं संतोष की अनुभूति हो रही है, पत्रिका के प्रस्तुत अंक को आपकी आकांक्षाओं के अनुरूप अधिक-से-अधिक उपयोगी बनाने का प्रयास किया गया है। प्रकाशन से संबंधित सभी लोगों के सामूहिक प्रयास एवं सहयोग से यह अंक इतना अधिक उपयोगी बन पाया है।

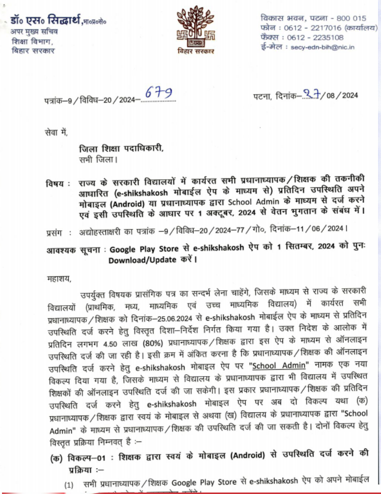

डॉ० एस० सिद्धार्थ, भा०प्र०से०
अपर मुख्य सचिव
शिक्षा विभाग,
बिहार सरकार

बिहार सरकार

विकास भवन, पटना - 800 015
फोन : 0612 - 2217016 (कार्यालय)
फैक्स : 0612 - 2235108
ई-मेल : secy-edn-bih@nic.in

पत्रांक–9/विविध–20/2024–679 पटना, दिनांक–27/08/2024

सेवा में,

जिला शिक्षा पदाधिकारी,
सभी जिला।

विषय : राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सभी प्रधानाध्यापक/शिक्षक की तकनीकी आधारित (e-shikshakosh मोबाईल ऐप के माध्यम से) प्रतिदिन उपस्थिति अपने मोबाइल (Android) या प्रधानाध्यापक द्वारा School Admin के माध्यम से दर्ज करने एवं इसी उपस्थिति के आधार पर 1 अक्टूबर, 2024 से वेतन भुगतान के संबंध में।

प्रसंग : अद्योहस्ताक्षरी का पत्रांक –9/विविध–20/2024–77/गो०, दिनांक–11/06/2024।

आवश्यक सूचना : Google Play Store से e-shikshakosh ऐप को 1 सितम्बर, 2024 को पुनः Download/Update करें।

महाशय,

उपर्युक्त विषयक प्रासंगिक पत्र का सन्दर्भ लेना चाहेंगे, जिसके माध्यम से राज्य के सरकारी विद्यालयों (प्राथमिक, मध्य, माध्यमिक एवं उच्च माध्यमिक विद्यालय) में कार्यरत सभी प्रधानाध्यापक/शिक्षक को दिनांक–25.06.2024 से e-shikshakosh मोबाईल ऐप के माध्यम से प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करने हेतु विस्तृत दिशा–निर्देश निर्गत किया गया है। उक्त निदेश के आलोक में प्रतिदिन लगभग 4.50 लाख (80%) प्रधानाध्यापक/शिक्षक द्वारा इस ऐप के माध्यम से ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की जा रही है। इसी क्रम में अंकित करना है कि प्रधानाध्यापक/शिक्षक की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करने हेतु e-shikshakosh मोबाइल ऐप पर "School Admin" नामक एक नया विकल्प दिया गया है, जिसके माध्यम से विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा भी विद्यालय में उपस्थित शिक्षकों की ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज की जा सकेगी। इस प्रकार प्रधानाध्यापक/शिक्षक की प्रतिदिन उपस्थिति दर्ज करने हेतु e-shikshakosh मोबाइल ऐप पर अब दो विकल्प यथा (क) प्रधानाध्यापक/शिक्षक द्वारा स्वयं के मोबाइल से अथवा (ख) विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा "School Admin" के माध्यम से प्रधानाध्यापक/शिक्षक की उपस्थिति दर्ज की जा सकती है। दोनों विकल्प हेतु विस्तृत प्रक्रिया निम्नवत् है :–

(क) विकल्प–01 : शिक्षक द्वारा स्वयं के मोबाइल (Android) से उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया :–

(1) सभी प्रधानाध्यापक/शिक्षक Google Play Store से e-shikshakosh ऐप को अपने मोबाईल

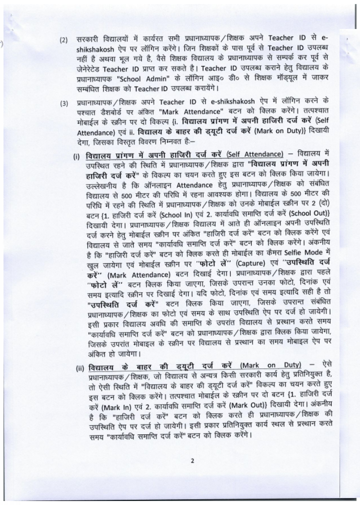

(2) सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सभी प्रधानाध्यापक/शिक्षक अपने Teacher ID से e-shikshakosh ऐप पर लॉगिन करेंगे। जिन शिक्षकों के पास पूर्व से Teacher ID उपलब्ध नहीं है अथवा भूल गये है, वैसे शिक्षक विद्यालय के प्रधानाध्यापक से सम्पर्क कर पूर्व से जेनेरेटेड Teacher ID प्राप्त कर सकते है। Teacher ID उपलब्ध कराने हेतु विद्यालय के प्रधानाध्यापक "School Admin" के लॉगिन आइ० डी० से शिक्षक मॉड्यूल में जाकर सम्बंधित शिक्षक को Teacher ID उपलब्ध करायेंगे।

(3) प्रधानाध्यापक/शिक्षक अपने Teacher ID से e-shikshakosh ऐप में लॉगिन करने के पश्चात डैशबोर्ड पर अंकित "Mark Attendance" बटन को क्लिक करेंगे। तत्पश्चात मोबाईल के स्क्रीन पर दो विकल्प {i. **विद्यालय प्रांगण में अपनी हाजिरी दर्ज करें** (Self Attendance) एवं ii. **विद्यालय के बाहर की ड्यूटी दर्ज करें** (Mark on Duty)} दिखायी देगा, जिसका विस्तृत विवरण निम्नवत है:–

(i) **विद्यालय प्रांगण में अपनी हाजिरी दर्ज करें (Self Attendance)** – विद्यालय में उपस्थित रहने की स्थिति में प्रधानाध्यापक/शिक्षक द्वारा **"विद्यालय प्रांगण में अपनी हाजिरी दर्ज करें"** के विकल्प का चयन करते हुए इस बटन को क्लिक किया जायेगा। उल्लेखनीय है कि ऑनलाइन Attendance हेतु प्रधानाध्यापक/शिक्षक को संबंधित विद्यालय से 500 मीटर की परिधि में रहना आवश्यक होगा। विद्यालय के 500 मीटर की परिधि में रहने की स्थिति में प्रधानाध्यापक/शिक्षक को उनके मोबाईल स्क्रीन पर 2 (दो) बटन {1. हाजिरी दर्ज करें (School In) एवं 2. कार्यावधि समाप्ति दर्ज करें (School Out)} दिखायी देगा। प्रधानाध्यापक/शिक्षक विद्यालय में आते ही ऑनलाइन अपनी उपस्थिति दर्ज करने हेतु मोबाईल स्क्रीन पर अंकित "हाजिरी दर्ज करें" बटन को क्लिक करेंगे एवं विद्यालय से जाते समय "कार्यावधि समाप्ति दर्ज करें" बटन को क्लिक करेंगे। अंकनीय है कि "हाजिरी दर्ज करें" बटन को क्लिक करते ही मोबाईल का कैमरा Selfie Mode में खुल जायेगा एवं मोबाईल स्क्रीन पर **"फोटो लें"** (Capture) एवं **"उपस्थिति दर्ज करें"** (Mark Attendance) बटन दिखाई देगा। प्रधानाध्यापक/शिक्षक द्वारा पहले **"फोटो लें"** बटन क्लिक किया जाएगा, जिसके उपरान्त उनका फोटो, दिनांक एवं समय इत्यादि स्क्रीन पर दिखाई देगा। यदि फोटो, दिनांक एवं समय इत्यादि सही है तो **"उपस्थिति दर्ज करें"** बटन क्लिक किया जाएगा, जिसके उपरान्त संबंधित प्रधानाध्यापक/शिक्षक का फोटो एवं समय के साथ उपस्थिति ऐप पर दर्ज हो जायेगी। इसी प्रकार विद्यालय अवधि की समाप्ति के उपरांत विद्यालय से प्रस्थान करते समय "कार्यावधि समाप्ति दर्ज करें" बटन को प्रधानाध्यापक/शिक्षक द्वारा क्लिक किया जायेगा, जिसके उपरांत मोबाइल के स्क्रीन पर विद्यालय से प्रस्थान का समय मोबाइल ऐप पर अंकित हो जायेगा।

(ii) **विद्यालय के बाहर की ड्यूटी दर्ज करें (Mark on Duty)** – ऐसे प्रधानाध्यापक/शिक्षक, जो विद्यालय से अन्यत्र किसी सरकारी कार्य हेतु प्रतिनियुक्त है, तो ऐसी स्थिति में "विद्यालय के बाहर की ड्यूटी दर्ज करें" विकल्प का चयन करते हुए इस बटन को क्लिक करेंगे। तत्पश्चात मोबाईल के स्क्रीन पर दो बटन {1. हाजिरी दर्ज करें (Mark In) एवं 2. कार्यावधि समाप्ति दर्ज करें (Mark Out)} दिखायी देगा। अंकनीय है कि "हाजिरी दर्ज करें" बटन को क्लिक करते ही प्रधानाध्यापक/शिक्षक की उपस्थिति ऐप पर दर्ज हो जायेगी। इसी प्रकार प्रतिनियुक्त कार्य स्थल से प्रस्थान करते समय "कार्यावधि समाप्ति दर्ज करें" बटन को क्लिक करेंगे।

2

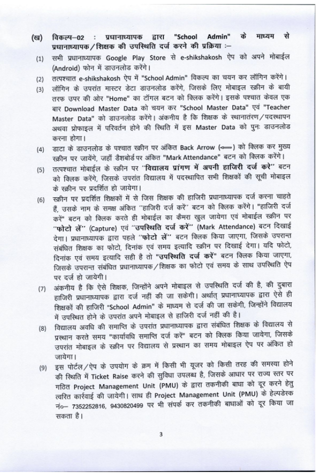

(ख) विकल्प–02 : प्रधानाध्यापक द्वारा "School Admin" के माध्यम से प्रधानाध्यापक/शिक्षक की उपस्थिति दर्ज करने की प्रक्रिया :–

(1) सभी प्रधानाध्यापक Google Play Store से e-shikshakosh ऐप को अपने मोबाईल (Android) फोन में डाउनलोड करेंगे।

(2) तत्पश्चात e-shikshakosh ऐप में "School Admin" विकल्प का चयन कर लॉगिन करेंगे।

(3) लॉगिन के उपरांत मास्टर डेटा डाउनलोड करेंगे, जिसके लिए मोबाइल स्क्रीन के बायी तरफ उपर की ओर "Home" का टॉगल बटन को क्लिक करेंगे। इसके पश्चात केवल एक बार Download Master Data को चयन कर "School Master Data" एवं "Teacher Master Data" को डाउनलोड करेंगे। अंकनीय है कि शिक्षक के स्थानातंरण/पदस्थापन अथवा प्रोफाइल में परिवर्तन होने की स्थिति में इस Master Data को पुनः डाउनलोड करना होगा।

(4) डाटा के डाउनलोड के पश्चात स्क्रीन पर अंकित Back Arrow (⟵) को क्लिक कर मुख्य स्क्रीन पर जायेंगे, जहाँ डैशबोर्ड पर अंकित "Mark Attendance" बटन को क्लिक करेंगे।

(5) तत्पश्चात मोबाईल के स्क्रीन पर **"विद्यालय प्रांगण में अपनी हाजिरी दर्ज करे"** बटन को क्लिक करेंगे, जिसके उपरांत विद्यालय में पदस्थापित सभी शिक्षकों की सूची मोबाइल के स्क्रीन पर प्रदर्शित हो जायेगा।

(6) स्क्रीन पर प्रदर्शित शिक्षकों में से जिस शिक्षक की हाजिरी प्रधानाध्यापक दर्ज करना चाहते हैं, उसके नाम के समक्ष अंकित "हाजिरी दर्ज करें" बटन को क्लिक करेंगे। "हाजिरी दर्ज करें" बटन को क्लिक करते ही मोबाईल का कैमरा खुल जायेगा एवं मोबाईल स्क्रीन पर **"फोटो लें"** (Capture) एवं **"उपस्थिति दर्ज करें"** (Mark Attendance) बटन दिखाई देगा। प्रधानाध्यापक द्वारा पहले **"फोटो लें"** बटन क्लिक किया जाएगा, जिसके उपरान्त संबंधित शिक्षक का फोटो, दिनांक एवं समय इत्यादि स्क्रीन पर दिखाई देगा। यदि फोटो, दिनांक एवं समय इत्यादि सही है तो **"उपस्थिति दर्ज करें"** बटन क्लिक किया जाएगा, जिसके उपरान्त संबंधित प्रधानाध्यापक/शिक्षक का फोटो एवं समय के साथ उपस्थिति ऐप पर दर्ज हो जायेगी।

(7) अंकनीय है कि ऐसे शिक्षक, जिन्होंने अपने मोबाइल से उपस्थिति दर्ज की है, की दुबारा हाजिरी प्रधानाध्यापक द्वारा दर्ज नहीं की जा सकेगी। अर्थात् प्रधानाध्यापक द्वारा ऐसे ही शिक्षकों की हाजिरी "School Admin" के माध्यम से दर्ज की जा सकेगी, जिन्होंने विद्यालय में उपस्थित होने के उपरांत अपने मोबाइल से हाजिरी दर्ज नहीं की है।

(8) विद्यालय अवधि की समाप्ति के उपरांत प्रधानाध्यापक द्वारा संबंधित शिक्षक के विद्यालय से प्रस्थान करते समय "कार्यावधि समाप्ति दर्ज करें" बटन को क्लिक किया जायेगा, जिसके उपरांत मोबाइल के स्क्रीन पर विद्यालय से प्रस्थान का समय मोबाइल ऐप पर अंकित हो जायेगा।

(9) इस पोर्टल/ऐप के उपयोग के क्रम में किसी भी यूजर को किसी तरह की समस्या होने की स्थिति में Ticket Raise करने की सुविधा उपलब्ध है, जिसके आधार पर राज्य स्तर पर गठित Project Management Unit (PMU) के द्वारा तकनीकी बाधा को दूर करने हेतु त्वरित कार्रवाई की जायेगी। साथ ही Project Management Unit (PMU) के हेल्पडेस्क नं०– 7352252816, 9430820499 पर भी संपर्क कर तकनीकी बाधाओं को दूर किया जा सकता है।

3

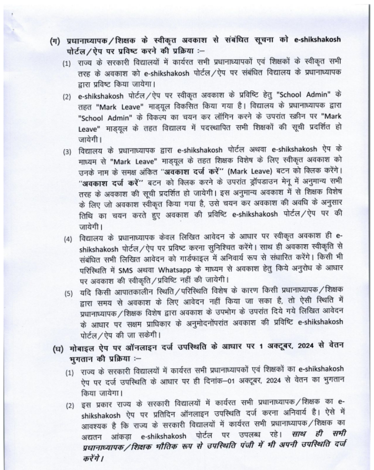

(ग) प्रधानाध्यापक/शिक्षक के स्वीकृत अवकाश से संबंधित सूचना को e-shikshakosh पोर्टल/ऐप पर प्रविष्ट करने की प्रक्रिया :–

(1) राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सभी प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों के स्वीकृत सभी तरह के अवकाश को e-shikshakosh पोर्टल/ऐप पर संबंधित विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा प्रविष्ट किया जायेगा।

(2) e-shikshakosh पोर्टल/ऐप पर स्वीकृत अवकाश के प्रविष्टि हेतु "School Admin" के तहत "Mark Leave" माड्यूल विकसित किया गया है। विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा "School Admin" के विकल्प का चयन कर लॉगिन करने के उपरांत स्क्रीन पर "Mark Leave" माड्यूल के तहत विद्यालय में पदस्थापित सभी शिक्षकों की सूची प्रदर्शित हो जायेगी।

(3) विद्यालय के प्रधानाध्यापक द्वारा e-shikshakosh पोर्टल अथवा e-shikshakosh ऐप के माध्यम से "Mark Leave" माड्यूल के तहत शिक्षक विशेष के लिए स्वीकृत अवकाश को उनके नाम के समक्ष अंकित **"अवकाश दर्ज करें"** (Mark Leave) बटन को क्लिक करेंगे। **"अवकाश दर्ज करें"** बटन को क्लिक करने के उपरांत ड्रॉपडाउन मेनू में अनुमान्य सभी तरह के अवकाश की सूची प्रदर्शित हो जायेगी। इस अनुमान्य अवकाश में से शिक्षक विशेष के लिए जो अवकाश स्वीकृत किया गया है, उसे चयन कर अवकाश की अवधि के अनुसार तिथि का चयन करते हुए अवकाश की प्रविष्टि e-shikshakosh पोर्टल/ऐप पर की जायेगी।

(4) विद्यालय के प्रधानाध्यापक केवल लिखित आवेदन के आधार पर स्वीकृत अवकाश ही e-shikshakosh पोर्टल/ऐप पर प्रविष्ट करना सुनिश्चित करेंगे। साथ ही अवकाश स्वीकृति से संबंधित सभी लिखित आवेदन को गार्डफाइल में अनिवार्य रूप से संधारित करेंगे। किसी भी परिस्थिति में SMS अथवा Whatsapp के माध्यम से अवकाश हेतु किये अनुरोध के आधार पर अवकाश की स्वीकृति/प्रविष्टि नहीं की जायेगी।

(5) यदि किसी आपातकालीन स्थिति/परिस्थिति विशेष के कारण किसी प्रधानाध्यापक/शिक्षक द्वारा समय से अवकाश के लिए आवेदन नहीं किया जा सका है, तो ऐसी स्थिति में प्रधानाध्यापक/शिक्षक विशेष द्वारा अवकाश के उपभोग के उपरांत दिये गये लिखित आवेदन के आधार पर सक्षम प्राधिकार के अनुमोदनोंपरांत अवकाश की प्रविष्टि e-shikshakosh पोर्टल/ऐप की जा सकेगी।

(घ) मोबाइल ऐप पर ऑनलाइन दर्ज उपस्थिति के आधार पर 1 अक्टूबर, 2024 से वेतन भुगतान की प्रक्रिया :–

(1) राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सभी प्रधानाध्यापकों एवं शिक्षकों का e-shikshakosh ऐप पर दर्ज उपस्थिति के आधार पर ही दिनांक–01 अक्टूबर, 2024 से वेतन का भुगतान किया जायेगा।

(2) इस प्रकार राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सभी प्रधानाध्यापक/शिक्षक का e-shikshakosh ऐप पर प्रतिदिन ऑनलाइन उपस्थिति दर्ज करना अनिवार्य है। ऐसे में आवश्यक है कि राज्य के सरकारी विद्यालयों में कार्यरत सभी प्रधानाध्यापक/शिक्षक का अद्यतन आंकड़ा e-shikshakosh पोर्टल पर उपलब्ध रहे। ***साथ ही सभी प्रधानाध्यापक/शिक्षक भौतिक रूप से उपस्थिति पंजी में भी अपनी उपस्थिति दर्ज करेंगे।***

4

चेतना टीम

समस्तीपुर

पिन - 848207 (बिहार)

मो. +91 9473119007

Email : chetanastr@gmail.com

https://t.me/TeacherHelpline

https://www.teachersofbihar.org/

नोट : रविवार के दिन खुलने वाले विद्यालय शुक्रवार के दिन प्रकाशित होने वाले चेतना का उपयोग कर सकते हैं।

चेतना सत्र

28 अगस्त 2024 Wednesday बुधवार वर्ष 03

1. प्रार्थना

प्रार्थना

हर देश में तू, हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है |

हर देश में तू, हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है,
तेरी रंग भूमि यह विश्व धरा, सब खेल में, मेल में तू ही तो है |
हर देश में तू, हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है,

सागर से उठा बादल बनके, बादल से फूटा जल होकर के,
फिर नहर बना नदियाँ गहरी, तेरे भिन्न प्रकार, तू एक ही है,
हर देश में तू, हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही है,

मिट्टी से अणु परमाणु बना, तूने दिव्य जगत का रूप लिया,
फिर पर्वत वृक्ष विशाल बना, सौन्दर्य तेरा तू एक ही है |
हर देश में तू, हर भेष में तू, तेरे नाम अनेक तू एक ही |

अभियान गीत

विश्वगुरु भारत हो अपना यह संकल्प हमारा है....
नामांकन हो हर बच्चे का गूँज रहा यह नारा है...
नयी पौध रोपण को अपने विद्यालय को सँवारा है....
कायाकल्प मिशन बेसिक हमने साकार उतारा है...
भौतिक संसाधन हों चाहे श्रेष्ठ प्रशिक्षित मानव श्रम
किसी दृष्टि से नहीं है बेसिक निजी विद्यालय से अब कम..
कमर कस चुका हर एक शिक्षक बना लिया यह पूरा मन
अपने बच्चों की उन्नति में जुटेंगे हम सह तन मन धन
बस समाज से आशा इतनी वह इसमें कुछ योग करें...
राज्य दे रहा हर एक सुविधा आप भी कुछ उद्योग करें...
रोज आयें बच्चे विद्यालय इतना तो सहयोग करें...
आस पास रहे कोई न वंचित सब "ज्ञानामृत भोग" करें...
बिहार के हर एक शिक्षक का अभिभावक को यही वचन
आप अपने बच्चे को भेजें बना देंगे उनका जीवन...

बिहार राज्य प्रार्थना

मेरी रफ्तार पे सूरज की किरण नाज करे
ऐसी परवाज दे मालिक कि गगन नाज करे
वो नजर दे कि करूँ कद्र हरेक मजहब की
वो मुहब्बत दे मुझे अमनो अमन नाज करे
मेरी खुशबू से महक जाये ये दुनिया मालिक
मुझको वो फूल बना सारा चमन नाज करे
इल्म कुछ ऐसा दे मैं काम सबों के आऊँ
हौसला ऐसा हीं दे गंग जमन नाज करे
आधे रस्ते पे न रूक जाये मुसाफिर के कदम
शौक मंजिल का हो इतना कि थकन नाज करे
दीप से दीप जलायें कि चमक उठे बिहार
ऐसी खूबी दे ऐ मालिक कि वतन नाज करे
जय बिहार जय बिहार जय जय जय जय बिहार

- एम. आर. चिश्ती

बिहार राज्य गीत

मेरे भारत के कंठहार, तुझको शत-शत वंदन बिहार
तू वाल्मीकि की रामायण, तू वैशाली का लोकतंत्र
तू बोधिसत्व की करूणा है, तू महावीर का शांतिमंत्र
तू नालंदा का ज्ञानदीप, तू हीं अक्षत चंदन बिहार
तू है अशोक की धर्मध्वजा, तू गुरूगोविंद की वाणी है
तू आर्यभट्ट तू शेरशाह, तू कुंवर सिंह बलिदानी है
तू बापू की है कर्मभूमि, धरती का नंदन वन बिहार
तेरी गौरव गाथा अपूर्व, तू विश्व शांति का अग्रदूत
लौटेगा खोया स्वाभिमान, अब जाग चुके तेरे सपूत
अब तू माथे का विजय तिलक,
तू आँखों का अंजन बिहार
तुझको शत-शत वंदन बिहार,
मेरे भारत के कंठहार

- सत्यनारायण

2. आज का विचार

इच्छा ही सब दूखो का मूल है। – गौतम बुद्ध

3. शब्द ज्ञान

English

COMPLETE	*कंप्लीट*	पूरा करना
CREATE	*क्रिएट*	उत्पन्न करना
CHEAT	*चिट*	ठगना
CATCH	*कैच*	पकड़ना
CARRY	*कैरी*	

हिन्दी

चातक	पपीहा
काक	कौआ
वास	रहना
स्वच्छंद	स्वतंत्र
बेड़ी	जंजीर

संस्कृत

बोधिम्	ज्ञान को
प्राप्तवान्	प्राप्त किया
तत: परम्	उसके बाद
अश्वत्थवृक्ष:	पीपल का पेड़
करुणा	दया

اردو (उर्दू)

نرغہ	*Nerga*	भीड़
نروا	*Nirwaa*	पुल
نزار	*Najaar*	पतला
نزاع	*Nijaa*	झगडा
نزد	*Najad*	पास

4. दिवस ज्ञान

राष्ट्रीय नेत्रदान पखवाड़ा

5. सामान्य ज्ञान-विज्ञान

1. भारत में निर्मित प्रथम कंप्यूटर का क्या नाम है ? : सिद्धार्थ
2. महावीर जैन की मृत्यु किस नगर में हुई ? : पावापुरी
3. प्रसिद्ध कोहिनूर हीरा कहां से प्राप्त होता था? : गोलकुंडा की खान

4. विटामिन -बी की कमी से कौन सा रोग होता हैं? : बेरी- बेरी
5. भारत का राष्ट्रीय चिन्ह किसे कहा जाता हैं? : सारनाथ स्थित अशोक के सिंह स्तंभ की अनुकृति है,

6. तर्क ज्ञान

1. निम्न में से कौन द्वंद समास है:- दशानन ,लंबोदर ,सप्ताह, सीता-राम : सीता-राम
2. निम्न संख्या में से कौन सी संख्याएं पाइथागोरस त्रिक नहीं है:-(3,4,5) (6,8,10) (5,1312) (7,24,26) : (7,24,26)
3. गुरुत्वाकर्षण बल एवं गति के नियम का खोज किस वैज्ञानिक ने किया? : सर आइजक न्यूटन
4. विश्व में संकटग्रस्त प्रजातियों की सूची को क्या कहा जाता है? : रेड डाटा बुक
5. 90,80,69,57,44,30,15,...? : -1

7. मुहावरे

1. अंकुश रखना : नियंत्रण में रखना
2. अंगार बरसाना : चिलचिलाती धूप होना
3. अंगुली काटना : पछताना
4. अंत करना : खत्म करना
5. अंत न पाना : रहस्य न जान पाना

8. प्रेरक प्रसंग

विदेशी तिरंगा

हर स्वतंत्रता दिवस पर मेरे दादाजी हमारे घर की छत पर तिरंगा फहराया करते थे और हम राष्ट्रीय गीत गाया करते थे। १९९७ में १५ अगस्त के दिन मैंने यह तय किया कि मेरी तीन साल की बेटी को अपने घर में तिरंगा फहराकर स्वदेश भक्ति के बारे में सचेत किया जाय।
हमने तिरंगा ख़रीदने का निश्चय किया। काग़ज़ के बने छोटे-छोटे तिरंगे झंडे उस समय भी बेचे जाते थे लेकिन मैं कपड़े का बुना हुआ झंडा अपने घर में फहराना चाहती थी। कैंप की एक भी दुकान में मुझे कपड़े का बुना हुआ तिरंगा नहीं मिला। एक बुज़ुर्ग ने बताया कि कपड़े का बुना हुआ तिरंगा झंडा सिर्फ़ स्कूल, कॉलेज, और सरकारी दफ़्तरों में ही लहराया जाता है। व्यक्तिगत स्थानों जैसे घरों में झंडा फहराना कानून के ख़िलाफ़ था। पुणे में भी मैंने कभी किसी घर में तिरंगे को लहराते नहीं देखा था। सीधे, सत्यवादी और सरल जीवन व्यतीत करने वाले मेरे दादाजी ने इन क़ानूनों और अपने उसूलों को तोड़ना कभी सही नहीं समझा लेकिन हमें हमेशा इस बात को लेकर प्रोत्साहित ज़रूर करते रहते थे। मैंने भी अपने दादाजी की तरह इस बात को लेकर कभी पहल नहीं की मुझे लगा कि इस बात के दूसरे पक्ष को परखने की हिम्मत और उचित अधिकार मुझमें नहीं थे।
१९९८ में १५ अगस्त को एक साल अधिक बड़ी और बुद्धिमान, मैंने अपने दादाजी के देशभक्ति के प्रोत्साहन पर ग़ौर करना ज़्यादा उचित समझा। इस बार मैंने शहर के दूसरे सिरे से तिरंगे की खोज शुरू की, हर जगह जवाब वही था। तभी लौटते समय एक इमारत की चौथी मंज़िल की बालकनी में तिरंगा लहराता हुआ दिखाई दिया। मैंने ऊपर जा कर मालिक से पूछा कि यह तिरंगा उन्होंने कहाँ से प्राप्त किया। उनके जवाब से मैं हैरान रह गई। उन्होंने कहा, "विदेश से।"

ज़रा सोचिए! देश की आज़ादी की ५० वीं सालगिरह पर हम अपने फ़ोन से यंत्रवत तरीके से वंदेमातरम कहकर बधाई देने से लेकर बंकिम चंद्र चटर्जी के वंदेमातरम को ए. आर. रहमान की धुनों में रूपांतरित कर टी.वी. के हर चैनल दिखाते और सार्वजनिक स्पीकरों पर बजाते हैं, बोर्डो से लेकर बसों, ऑटो रिक्शा और लारियों को 'मेरा भारत महान' से पोत देते हैं, इस दिन सुबह से अपने सारे नेता भारत की स्वतंत्रता के गुणगान करते नज़र आते हैं, वहीं बड़ों की दी हुई सीख और गर्व की परंपरा को निभाने के लिए यदि हम हमारा तिरंगा फहराना चाहते हैं तो उसे ख़रीदने क्या हमें विदेश जाना होगा?
एक मित्र ने कहा था कि विश्व के अधिकतर देशों में हर व्यक्ति अपने घर में एक झंडा ज़रूर रखता है और अपने राष्ट्रीय महत्व के अवसरों पर उसे फहराने में गर्व अनुभव करता है जबकि भारतीय स्वदेश में रहकर भी अपने तिरंगे को घर में रखना ज़रूरी ही नहीं समझते। हम भारतीय जो विदेशों की सैर को गर्व से जताने से नहीं चूकते, उन्होंने कभी अपने ही भारत की सैर कर उसे जानने की कितनी कोशिश की है? हम जब विदेशों की सैर करते हैं तब कुछ यादगार चीज़ें वहाँ से लाते हैं लेकिन आज ग़ौर करने का समय आया है कि हम कितने भारतीयों के घरों में कोणार्क चक्र की प्रतिकृति है? जब हम विदेशी झंडों और विश्वविद्यालयों के चिह्नों से अंकित कपड़े गर्व के साथ धारण करते है तो क्या हम उसी शौक से अपनी मातृभूमि के नारों से सजे कपड़े पहनते हैं? सालोंसाल भारत में रहने वाले विदेशी अपने अंग्रेज़ी भाषा बोलने की लहज़े को नहीं बदलते, वहीं थोड़े सालों में अमरीका जाकर हम भारतीय विदेशी लहज़े में हिंदी बोलना सीख कर लौटते हैं ऐसा जब किसी विदेशी ने ही मुझसे कहा होगा तो आप सोच सकते हैं, मैंने कैसे महसूस किया होगा।
बाद में, काफ़ी छानबीन के बाद इस पुणे शहर में हमें एक छोटी-सी दुकान में कपड़े से बुना हुआ तिरंगा मिल ही गया। इस तरह १५ अगस्त १९९८ को हमने अपने घर में तिरंगा फहराया और राष्ट्रीय गीत गाया तब मेरी चार साल की बेटी ने इसे खुशी से देखा और शायद गर्व भी महसूस किया कि भारत का झंडा उसके घर में फहर रहा था।

संविधान

चेतना

28 अगस्त 2024 Wednesday बुधवार वर्ष 03

राष्ट्र-गान

जन-गण-मन अधिनायक जय हे
भारत भाग्य विधाता ।
पंजाब-सिंधु-गुजरात-मराठा
द्राविड़-उत्कल-बंग
विंध्य हिमाचल यमुना गंगा
उच्छल जलधि तरंग
तव शुभ नामे जागे, तव शुभ आशिष मांगे
गाहे तव जय-गाथा ।
जन-गण-मंगलदायक जय हे भारत भाग्य विधाता ।
जय हे, जय हे, जय हे, जय जय जय जय हे ।

- रविन्द्रनाथ टैगोर

राष्ट्रीय गीत

वंदे मातरम्, वंदे मातरम्!
सुजलाम्, सुफलाम्, मलयज शीतलाम्,
शस्यश्यामलाम्, मातरम्!
वंदे मातरम्!
शुभ्रज्योत्सनाम् पुलकितयामिनीम्,
फुल्लकुसुमित द्रुमदल शोभिनीम्,
सुहासिनीम् सुमधुर भाषिणीम्,
सुखदाम् वरदाम्, मातरम्!
वंदे मातरम्, वंदे मातरम्॥

- बंकिमचन्द्र चटर्जी

मौलिक अधिकार

1. *समता का अधिकार (अनुच्छेद 14-18)*
2. *स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 19-22)*
3. *शोषण के विरुद्ध अधिकार (अनुच्छेद 23-24)*
4. *धर्म की स्वतंत्रता का अधिकार (अनुच्छेद 25-28)*
5. *संस्कृति और शिक्षा संबंधी अधिकार (अनुच्छेद 29-30)*
6. *संवैधानिक उपचारों का अधिकार (अनुच्छेद 32)*

संविधान में उपबंधित मौलिक कर्तव्य

1. *संविधान का पालन करना और उसके आदर्शों, संस्थाओं, राष्ट्रध्वज एवं राष्ट्र गान का आदर करना।*
2. *स्वतंत्रता के लिये हमारे राष्ट्रीय संघर्ष को प्रेरित करने वाले महान आदर्शों का पालन करना।*
3. *भारत की संप्रभुता, एकता और अखंडता को बनाए रखना और उसकी रक्षा करना।*
4. *देश की रक्षा करना और आह्वान किये जाने पर राष्ट्र की सेवा करना।*
5. *भारत के लोगों में समरसता और समान भातृत्व की भावना का निर्माण करना जो धर्म, भाषा और प्रदेश या वर्ग आधारित सभी प्रकार के भेदभाव से परे हो। साथ ही ऐसी प्रथाओं का त्याग करना जो स्त्रियों के सम्मान के विरुद्ध हैं।*
6. *हमारी समग्र संस्कृति की समृद्ध विरासत को महत्त्व देना और संरक्षित करना।*
7. *वनों, झीलों, नदियों और वन्यजीवन सहित प्राकृतिक पर्यावरण की रक्षा एवं सुधार करना और प्राणिमात्र के लिए दयाभाव रखना।*
8. *मानवतावाद, वैज्ञानिक दृष्टिकोण तथा ज्ञानार्जन एवं सुधार की भावना का विकास करना।*
9. *सार्वजनिक संपत्ति की सुरक्षा करना एवं हिंसा से दूर रहना।*
10. *व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधि के सभी क्षेत्रों में उत्कृष्टता के लिये प्रयास करना ताकि राष्ट्र लगातार उच्च स्तर की उपलब्धि हासिल करे।*
11. *6 से 14 वर्ष तक के आयु के अपने बच्चों को शिक्षा के अवसर उपलब्ध कराना। (86वें संविधान द्वारा जोड़ा गया)*

भारत के संविधान की प्रस्तावना

हम, भारत के लोग, भारत को एक संपूर्ण प्रभुत्व-संपन्न समाजवादी पंथनिरपेक्ष लोकतंत्रात्मक गणराज्य बनाने के लिए, तथा उसके समस्त नागरिकों को :
सामाजिक, आर्थिक और राजनीतिक न्याय,
विचार, अभिव्यक्ति, विश्वास, धर्म
और उपासना की स्वतंत्रता,
प्रतिष्ठा और अवसर की समता,
प्राप्त कराने के लिए,
तथा उन सब में, व्यक्ति की गरिमा और
राष्ट्र की एकता और अखण्डता
सुनिश्चित करने वाली बंधुता बढ़ाने के लिए
दृढ़ संकल्पित होकर अपनी इस संविधान सभा में आज तारीख 26 नवम्बर 1949 ईस्वी (मिति मार्गशीर्ष शुक्ल सप्तमी, संवत दो हजार छह विक्रमी) को एतद् द्वारा इस संविधान को अंगीकृत, अधिनियमित और आत्मार्पित करते हैं।

समय सारणी पाठ टीका

चेतना

28 अगस्त 2024 **Wednesday** बुधवार — वर्ष 03

ज्ञापांक : 01/मा०शि०-स्था 'ख'-68/2024-1242/पटना दिनांक :- 28/06/2024

वर्ग	घंटी		पहली	दूसरी	तीसरी	चौथी		पंचमी	छठी	सप्तमी	आठमी		
समय		09:00 - 09:15	09:15 - 09:55	09:55 - 10:35	10:35 - 11:15	11:15 - 11:55	11:55 - 12:35	12:35- 01:15	01:15 - 01:55	01:55 - 02:35	02:35 - 03:15	03:15 - 04:00	04:00 - 04:30
		06:30 - 06:45	06:45 - 07:20	07:20 - 07:55	07:55 - 08:30	08:30 - 09:05	09:05 - 09:45	09:45 - 10:20	10:20 - 10: 55	10:55 - 11:30		11:30 - 12:10	
1		साफ-सफाई, चेतना सत्र - प्रार्थना	अंग्रेजी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	अंग्रेजी (कार्यपुस्तिका)	हिंदी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	गणित (पाठ्यपुस्तक)	मध्यांतर / मध्याह्न भोजन कार्यक्रम	हिंदी (पढ़ना और कार्यपुस्तिका)	गणित (TLM से गतिविधि)	गणित (कार्यपुस्तिका)	खेल गतिविधि	मिशन दक्ष के लिए अंतर्गत विशेष कक्षा	वर्ग 1-2 के बच्चों को छोड़कर शेष वर्ग के बच्चों के होमवर्क को चेक करना, पाठ टीका (lesson plan) तैयार करना एवं मिशन दक्ष के बच्चों का प्रोफाइल तैयार करना एवं मिशन दक्ष की विशेष कक्षा लेना, साप्ताहिक मूल्यांकन के आधार पर छात्र-छात्राओं का प्रोफाइल तैयार करना इत्यादि ।
2			अंग्रेजी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	अंग्रेजी (कार्यपुस्तिका)	हिंदी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	गणित (पाठ्यपुस्तक)		हिंदी (पढ़ना और कार्यपुस्तिका)	गणित (TLM से गतिविधि)	गणित (कार्यपुस्तिका)	खेल गतिविधि		
3			अंग्रेजी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	अंग्रेजी (कार्यपुस्तिका)	हिंदी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	गणित (पाठ्यपुस्तक)		पर्यावरण और हम (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (पढ़ना और कार्यपुस्तिका)	गणित (TLM से गतिविधि)	खेल गतिविधि		
4			अंग्रेजी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	अंग्रेजी (कार्यपुस्तिका)	हिंदी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	गणित (पाठ्यपुस्तक)		पर्यावरण और हम (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (पढ़ना और कार्यपुस्तिका)	गणित (TLM से गतिविधि)	खेल गतिविधि		
5			अंग्रेजी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	अंग्रेजी (कार्यपुस्तिका)	हिंदी (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	गणित (पाठ्यपुस्तक)		पर्यावरण और हम (पाठ्यपुस्तक और TLM से गतिविधि)	हिंदी (पढ़ना और कार्यपुस्तिका)	गणित (TLM से गतिविधि)	खेल गतिविधि		
6			विज्ञान	अंग्रेजी	गणित	हिंदी / उर्दू / अन्य		सामाजिक विज्ञान	संस्कृत /राष्ट्रभाषा / अन्य	गणित (अभ्यास)	खेल गतिविधि		
7			हिंदी / उर्दू / अन्य	विज्ञान	अंग्रेजी	गणित		गणित (अभ्यास)	सामाजिक विज्ञान	संस्कृत / राष्ट्रभाषा / अन्य	खेल गतिविधि		
8			गणित	हिंदी / उर्दू / अन्य	विज्ञान	अंग्रेजी		संस्कृत /राष्ट्रभाषा / अन्य	गणित (अभ्यास)	सामाजिक विज्ञान	खेल गतिविधि		

नोट:- 1. उपरोक्त वर्ग - समय सारिणी सुझावात्मक है। 2. विद्यालय अपने संसाधनों यथा - शिक्षक, छात्र, वर्ग कक्ष, सेक्शन की संख्या आदि की उपलब्धता के आधार पर उपरोक्त वर्ग - समय सारणी में परिवर्तन कर सकता है। 3. जिन विद्यालयों में पुस्तकालय है वहाँ बच्चों को सप्ताह में किसी दो अलग-अलग घटियों में पुस्तक पढ़ने को प्रेरित किया जा सकता है। 4. प्रत्येक सप्ताह में सभी विषय की साप्ताहिक मूल्यांकन विद्यालय अपनी सुविधा अनुसार किसी भी दिन किसी भी घंटी करेंगे।

पाठ टीका NOTES ON LESSONS

दिनांक	घंटी	कक्षा	विषय	प्रस्तावित पाठ की संक्षिप्त टिप्पणी	कृष्णपट-कार्य	अभ्युक्ति
Date	Period	Class	Subject	Brief notes on lessons proposed	Black Board work	Remarks
28 अगस्त 2024		सभी	चेतना सत्र	साफ-सफाई, प्रार्थना, व्यायाम एवं अन्य आयाम		
	1					
	2					
	3					
	4					
		सभी	मध्यांतर / मध्यान्ह भोजन कार्यक्रम			
	5					
	6					
	7					
	8	पाठ टीका का संधारण				

शिक्षक का हस्ताक्षर

पीएम पोषण योजना

चेतना

28 अगस्त 2024 Wednesday बुधवार वर्ष 03

पीएम पोषण योजना का मेनू : -

दिनांक	दिन	प्रस्तावित मीनू
28 अगस्त 2024	बुधवार	खिचड़ी (हरि सब्जी युक्त) + चोखा + केला / मौसमी फल

पीएम पोषण योजना :-

बच्चों को अपने जीवन, भोजन, शिक्षा तथा विकास का अधिकार है। इस अधिकार की प्राप्ति बच्चे करें एवं उन्हें इसके उचित अवसर मिलें, यह राज्य का दायित्व है। भारतीय संविधान की धारा 21A के अंतर्गत 6 से 14 आयुवर्ग के सभी बच्चों को नि:शुल्क एवं अनिवार्य शिक्षा का मौलिक अधिकार प्रदत्त है। प्रारंभिक शिक्षा के सर्वव्यापीकरण में मदद करने के उद्देश्य से सभी प्राथमिक एवं मध्य विद्यालयों में पीएम पोषण योजना उपलब्ध कराने का प्रावधान किया गया है। इस योजना का लाभ निम्नवत है :-

> ***बच्चों को पौष्टिक आहार एवं स्वास्थ्य की प्राप्ति।***
> ***बच्चों के शैक्षिक स्तर में वृद्धि।***
> ***बच्चों के बीच सामाजिक समता।***
> ***बच्चों की सीखने की क्षमता एवं आत्मसम्मान के स्तर को बढ़ाना।***
> ***बच्चों के छीजन में कमी।***
> ***नामांकन एवं उपस्थिति में निरंतर बढ़ोतरी।***
> ***बच्चों के ठहराव, अधिगम एवं एकाग्रता सुनिश्चित करने में मदद।***

परिवर्तन मूल्य की नई दर की विवरणी (01-10-2022 से प्रभावित)

कक्षा 01 से 05 के लिए

सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	20 Gram	103.00	2.06
सब्जी	50 Gram	22.00	1.10
तेल	5 Gram	121.00	0.60
मसाला / नमक	स्वादुनसार		0.49
जलावन	100 Gram	12.00	1.20
		कुल =	5.45

कक्षा 06 से 08 के लिए

सामग्री	वजन प्रति छात्र	दर प्रति किलो	मूल्य प्रति छात्र
दाल	30 Gram	103.00	3.09
सब्जी	75 Gram	22.00	1.65
तेल	7.5 Gram	121.00	0.90
मसाला / नमक	स्वादुनसार		0.73
जलावन	150 Gram	12.00	1.80
		कुल =	8.17

साप्ताहिक मेनू

क्र.	दिन	मेनू
1.	सोमवार	चावल + मिश्रित दाल + हरी सब्जी
2.	मंगलवार	जीरा चावल + सोयाबीन + आलू की सब्जी
3.	बुधवार	खिचड़ी (हरि सब्जी युक्त) + चोखा + केला / मौसमी फल
4.	गुरुवार	चावल + मिश्रित दाल + हरी सब्जी
5.	शुक्रवार	पुलाव + काबुली चना + लाल चना का छोला + हरा सलाद + उबला अंडा / मौसमी फल
6.	शनिवार	खिचड़ी (हरि सब्जी युक्त) + चोखा + केला / मौसमी फल

चहक

बच्चों का विद्यालय से जुड़ाव

दिन - 42 | सत्र - 02 | अवधि - 1 घंटा

संख्यात्मक विकास एवं पर्यावरणीय जागरूकता

खेल

अपने जैसा खोजो

उद्देश्य

- विभिन्न आकृतियों की समझ विकसित करना।

प्रक्रिया

- शिक्षक बच्चों को अर्द्ध गोलाकार में बैठाएँगे।
- शिक्षक इस गतिविधि को करवाने के पूर्व बच्चों के साथ आकार संबंधी चर्चा करें। जैसे- कक्षा के बाहर या घर में ऐसे आकार के क्या-क्या सामान हैं, आदि पर चर्चा करें।
- शिक्षक बच्चों के बीच में अलग-अलग आकारों में कटे हुए गत्ते रख देंगे।
- शिक्षक बच्चों के सामने किसी एक आकार का नाम लेंगे (तिकोना, चौकोर, गोल, लंबा)।
- अब सभी बच्चे अपने सामने पड़े हुए विभिन्न आकार के गत्तों में से शिक्षक द्वारा कहे गए आकार के गत्ते उठाएँगे और शिक्षक को दिखाएँगे।
- यदि किसी बच्चे द्वारा दिखाया गया आकार शिक्षक के कहे गए आकार जैसा नहीं हुआ तो उसे समझाते हुए वैसा आकार ढूँढने के लिए प्रेरित करेंगे।

सामग्री

- अलग-अलग आकार (तिकोना, चौकोर, गोल, लंबा) के कटे हुए गत्ते/पुराने अख़बार, कागज।

विकल्प

- आकार संबंधी अलग-अलग TLM जैसे- पुराने अख़बार, कागज, पत्ते, कंकड़, बोतल के ढक्कन, चूड़ी, चौक, डस्टर, इत्यादि का प्रयोग कर यह गतिविधि करवाई जा सकती है।

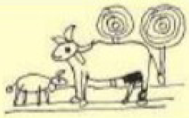

प्रतिफल

- बच्चे विभिन्न आकृतियों (तिकोना, चौकोर, गोल, लंबा) की पहचान कर पाएँगे।

दिन - 42 | सत्र - 03 | अवधि - 1 घंटा

भाषा विकास

कविता

तितली

चंचल तितली

सुबह सवेरे आती तितली
फूल-फूल पर जाती तितली
रंग बिरंगे पंख सजाए
सबके मन को भाती तितली
कभी ऊपर-कभी नीचे तितली
कभी आगे-कभी पीछे तितली
चंचल पंख चलाती तितली
दूर-दूर तक जाती तितली
बच्चे दौड़े आगे-पीछे
उड़ जाती फुर्र-से तितली

उद्देश्य

- बच्चों की मौखिक भाषा का विकास एवं शब्द भंडार में वृद्वि करना।

प्रक्रिया

- शिक्षक बच्चों को अर्ध गोलाकार में बैठाएँगे।
- शिक्षक बच्चों को बाल-गीत 'तितली' सुनाएँगे।
- शिक्षक सुनाई गई बाल-गीत पर बच्चों से बातचीत करेंगे , जैसे –
  - तितली आपको कैसी लगती है ?
  - तितली आपको क्यों अच्छी लगती है ?
  - तितली कहाँ रहती है ?
  - तितली को आप कब-कब देखते हैं ?
  - तितली किन-किन रंगों की होती है ?
- बाल-गीत में आए कठिन शब्दों के बारे में बच्चों को जानकारी देंगे।
- बच्चों को अपने मन से कोई बाल-गीत / कविता सुनाने को कहेंगे।
- बच्चे अपनी भाषा में बाल-गीत / कविता सुना सकते हैं।
- जब बच्चे बाल-गीत / कविता सुना रहें हों, उसमें कुछ छोड़ या जोड़ रहें हों, उन्हें रोके-टोके नहीं, स्वीकारें।
- बच्चों के बाल-गीत / कविता कहने पर उन्हें शाबाशी देकर प्रोत्साहित करेंगे।
- शिक्षक बच्चों द्वारा सुनाई गई बाल-गीत / कविता पर भी बातचीत करेंगे।

सामग्री

- बाल गीत 'तितली'।

विकल्प

- यह गतिविधि किसी भी अन्य कविता के माध्यम से करवाई जा सकती है।

प्रतिफल

- मौखिक भाषा का विकास एवं शब्द भंडार में वृद्धि होगी।

दिन - 43 | सत्र - 01 | अवधि - 1 घंटा

शारीरिक विकास

खेल

तीन पैरों की दौड़

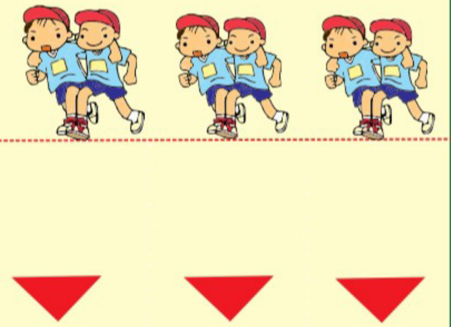

उद्देश्य

- मांसपेशियों का विकास एवं समन्वय करना।

प्रक्रिया

- शिक्षक विद्यालय परिसर में एक सुरक्षित, खुले एवं समतल स्थान का चयन करेंगे।
- गतिविधि के पूर्व सतह / फर्श पर चार से पांच लंबी-सीधी और समानांतर रेखाएँ खींच लेंगे।
- खेल के स्थान पर आरंभ बिन्दु और लक्ष्य बिन्दु पर निशान लगा देंगे।
- शिक्षक इस गतिविधि को अपने किसी साथी शिक्षक की मदद से बच्चों को करके दिखाएँगे।
- अब शिक्षक आरंभ बिन्दु के पास जोड़ें में दस बच्चों को खड़ा करें।
- जोड़े वाले बच्चों के अगल-बगल के सटे हुए दोनों पैरों को किसी कपड़े से घुटने के नीचे टखने के पास बाँध दें।
- अब शिक्षक सीटी बजाकर सभी पाँच जोड़ो को सीधी रेखा पर तेजी से आगे बढ़ने और लक्ष्य बिन्दु तक पहुँचने को कहेंगे।
- सभी बच्चों को लक्ष्य बिन्दु तक पहुँचने के लिए ताली बजाकर प्रोत्साहित करें।
- शेष बच्चों के साथ इस गतिविधि को दोहराएँ।
- शिक्षक ध्यान रखें की बच्चों के पैर बाँधने पर उन्हें असुविधा न हो और दौड़ते हुए बच्चे असंतुलित होकर गिर न जाएँ।

सामग्री

- चूना, रस्सी, सीटी और पैरों के टखने को बाँधने के लिए कपड़ा या रस्सी।

विकल्प

- संभव हो तो शिक्षक जूट के बोरे से बोरी दौड़ गतिविधि करवा सकते हैं।

प्रतिफल

- बच्चों की बड़ी मांसपेशियों का विकास एवं समन्वय होगा।

चेतना टीम

समस्तीपुर

पिन - 848207 (बिहार)
Mobile : 9473119007
Email ID : chetanastr@gmail.com
WhatsApp : https://chat.whatsapp.com/BgYPOv5HKSv2Vx6uoX1LOZ
Telegram : https://t.me/TeacherHelpline
Facebook : https://www.facebook.com/Anil9473119007

TEACHERS OF BIHAR

Patna (Bihar)
Mobile : 7250818080
Website : www.teachersofbihar.org
Email ID : teachersofbihar@gmail.com
Facebook : https://www.facebook.com/teachersofbihar
Youtube : https://www.youtube.com/c/teachersofbihar
Instagram : https://instagram.com/teachersofbihar
Twiter : https://twitter.com/teachersofbihar